



# FUSCO'S SCHOOL (ICSE)

Indiranagar, Bangalore

HALF YEARLY EXAMINATION 2016 – 2017

SUBJECT : HINDI II LANGUAGE.

Time : 2 ½ Hrs

Marks : 80

Class : VI

I इन शब्दों के समानार्थक शब्द लिखें :- ( 6 )

- |         |          |           |
|---------|----------|-----------|
| १. पुलक | २. सौंधी | ३. थिरकना |
| ४. अलि  | ५. गमक   | ६. बहस    |

II इन शब्दों के विलोम शब्द लिखें :- ( 6 )

- |         |           |          |
|---------|-----------|----------|
| १. अंदर | २. अँधेरा | ३. अधीन  |
| ४. अमीर | ५. इच्छा  | ६. उतरना |

III इन शब्दों के अर्थ लिखो :- ( 6 )

- |          |             |                  |
|----------|-------------|------------------|
| १. संतान | २. दुर्दशा  | ३. ज्ञान - विवेक |
| ४. चेला  | ५. कुँजड़िन | ६. फ़कीर         |

IV दिए गए विशेषण शब्दों के लिए विशेष्य ( संज्ञा ) लिखें :- ( 6 )

- |            |          |           |
|------------|----------|-----------|
| १. मोटा    | २. पूर्व | ३. कच्ची  |
| ४. सुगंधित | ५. सस्ता | ६. कमज़ोर |

V प्रश्नों के उत्तर लिखो :- ( 16 )

प्र १. लेखक ने भारतमाता तो अभागी क्यों कहा है ?

प्र २. " हमें जागना होगा " से लेखक का क्या अभिप्राय है ?

प्र ३. महंत और राजा के चरित्र की दो-दो विशेषताएं लिखिये ?

प्र ४. " अंधेर नगरी " नाटक के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहते हैं ?

प्र ५. शिवाजी ने किसे गर्व की बात कहा और क्यों ?

प्र ६. शिवाजी ने अहमद की पुत्रवधु से क्षमा मांगते हुए क्या कहा ?

प्र ७. असमय वर्षा होने से कैसा लगता है - अपने शब्दों में एक अनुकूल लिखिए ?

प्र ८. 'जीवन - धन' और 'रस - धन' शब्दों द्वारा किसकी ओर संकेत किया जा रहा है, और क्यों ?

VI निम्नलिखित पंक्तियों का आशय स्पष्ट करें : - ( 4 )

1. कहाँ है वे वीर आर्य जो भारतमाता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे सकें ।
2. मानवता की ओर हमारा ध्यान ही नहीं जाता ।

VII नीचे लिखे वाक्यों को उचित शब्द भरकर पूरा करें : - ( 5 )

1. हमें अपने से बड़ों के प्रति ..... का भाव रखना चाहिए । ( श्रद्धा / भक्ति )
2. अंधेर नगरी के राजा का नाम ..... था । ( चौपट / सयाना )
3. भिश्ती ने चूने में ..... ज्यादा डाल दिया । ( दूध / पानी )
4. गड़रिये ने घबराकर अपनी ..... बेच दी । ( बकरी / भेड़ )
5. जो मरेगा सीधा ..... जायेगा । ( नरक / स्वर्ग )

VIII नीचे लिखे शब्दों से स्त्रीलिंग या पुलिंग लिखें : - ( 6 )

- |           |          |             |
|-----------|----------|-------------|
| 1. महाराज | 2. पालकी | 3. बधाई     |
| 4. ध्वजा  | 5. उपहार | 6. पुत्रवधु |

IX इन वाक्यों के लिए एक शब्द लिखें : - ( 6 )

1. जिसका बहुत मूल्य हो .....
2. एक ही कक्षा में पढ़ने वाला .....
3. जो सत्य बोले .....
4. बरसात में गाया जाने वाला गीत .....
5. जिस मौसम में पते झाड़ जाते हैं .....
6. बरसात का महीना .....

X वचन बदलकर वाक्यों को पुनः लिखें : - ( 6 )

- |                        |                               |
|------------------------|-------------------------------|
| 1. बच्चा खेल रहा है ।  | 2. बन्दर पेड़ पर कूद रहा है । |
| 3. वह कल मेरे साथ था । | 4. बादल के आने पर क्या हुआ ।  |

XI इन वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए : - ( 2 )

1. वर्तमान काल - सेनापति शिवाजी का सम्मान करता है ।  
भूतकाल, भविष्यत् काल

XII उपयुक्त क्रिया विशेषण छांटकर खाली स्थानों में भरिये : - ( 3 )

[ देर से, ऊपर, नीचे, धीर-धीरे, ध्यानपूर्वक, इधर, उतना ]

१. जितनी भूख हो ..... ही खाओ ।

२. ..... मत जाओ, वहाँ गढ़ा है ।

३. ..... चलोगे तो समय पर नहीं पहुँच पाओगे ।

४. वह रोज ..... विद्यालय आता है ।

५. उनकी बातें ..... सुनो ।

६. ..... जाओ और सूखे कपड़े ..... ले आओ ।

XIII नीचे लिखे अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : - ( 4 )

ऐसा कोई कार्य नहीं है, जिसे धैर्य, परिश्रम, निष्ठा और स्वाध्याय से तुम पूरा कर सको । इसके लिए तुम्हें अधिक परिश्रम करना पड़ सकता है, सतत परिश्रम करना पड़ सकता है, या फिर तुम्हे बार-बार प्रयास करना पड़ सकता है, पर हर काम पूरा किया जा सकता है । अपने अज्ञान को अपने से मत छिपाओ, जब तक तुम इकिछत विषय को जान न लो, तब तक संतुष्ट मत हो । मनुष्य का सबसे बड़ा गुरु समय है अपने समय का ध्यान रखो । प्रत्येक काम समय पर सही ढंग से करने का प्रयास करो । निरंतर प्रयास करते रहना ही सफलता का प्रथम चरण है ।

प्रश्न : -

प्र १. कार्य कैसे पूरे किये जा सकते हैं ?

प्र २. मनुष्य को कब तक संतुष्ट नहीं होना चाहिए ?

प्र ३. मनुष्य का सबसे बड़ा गुरु कौन है ?

प्र ४. सफलता का प्रथम चरण किसे कहा जाता है ?

XIV किसी एक विषय पर निबंध लिखे : - ( 6 )

१. वृक्ष हमारे सच्चे मित्र

२. जीवन में खेलों का महत्व